

...  
 ...  
 ...  
 ...  
 ...

वकील वादी के द्वारा प्रस्तुत  
 प्रार्थना पत्र दिनांक 3-1-22 के आधार  
 पर पत्रावली आज पेशी में  
 ली गई। पक्षकारों में वकील  
 उपस्थित दोनों पक्षों ने आपसी  
 सहमति से एंग्लो लोक अदालत  
 की भावना से राजीनामा प्रस्तुत  
 किया जिसे पहकर सुना व समझाया  
 गया जिनको सही होना स्वीकार  
 किया। अतः राजीनामा लखीक  
 किया गया। वादी की पहचान  
 श्री अब्दुल बहाव एडवोकेट ने  
 एवं प्रतिवादी नं. 1 व 2 की पहचान  
 श्री सुधीर कुमार जैन एडवोकेट  
 ने एवं प्रतिवादी नं. 3 के कारिसान

2/2/22  
 Identified by  
 An

प्र एन 4

विमल कुमार  
 Identified by  
 कामर कली

2/2/22  
 Identified by  
 An

श्रीनीना

जायदा

identified by  

 एन 4

तारीख  
हुकम


हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व  
अहकाम ज  
की तामीर में

एवं 4, 5, 6 को ~~श्री हरिसिंह ने~~  
की है। प्रस्तुत राजीनामा के अनुसार  
दावा वादा <sup>स्वीकार कर</sup> डिक्री किया जाना है एवं  
उक्त राजीनामा डिक्री का अचिन्ता  
अंग रहेगा। मुनाबिक राजीनामा

पचा डिक्री तैयार किया जावे एवं  
प्रतिवादी सं। व 2 का प्रथम हजफ कर प्रति सं. 6 का इस्तेमाल डिक्री न सं. 6 की  
नहसालदार पाथ का करवाडा प्रतिवादी किया जावे।  
नं. 7 को डिक्री की पालना हेतु

इस राजीनामा व आर्डर शीट की  
नकल सहित भेजकर नहरीर धारी  
की जावे। पञ्जावली फंसल कुमार होकर  
वाद नकमील दारिखल दफतर हो।

  
उप जिला कलेक्टर  
चौथ का बरवाड़ा